आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 09.08.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के धराली–हर्षिल आपदाग्रस्त क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य जोरों पर। अब तक एक हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया।
- प्रदेश सरकार, आपदा में पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों के लिए पांच लाख रुपए की तत्काल सहायता राशि देगी। प्रभावितों के पुनर्वास और आजीविका सुदृढ़ीकरण के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन।
- भाई–बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार प्रदेशभर में पारम्परिक उत्साह के साथ मनाया गया।
- चंपावत जिले के मां बाराही धाम देवीधुरा में फल और फूलों से बग्वाल खेली गई।

धराली आपदा

उत्तरकाशी जिले के धराली–हर्षिल आपदाग्रस्त क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य जोरों पर चल रहा है। अब तक एक हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया जा चुका है। प्रभावित क्षेत्र में हेलीकॉपटरों से आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। साथ ही बिजली, पानी, स्वास्थ्य और सड़क सहित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अभी तक एक हजार से ज्यादा लोगों को बचाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है और सभी को अच्छा इलाज मिले इसकी भी व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि धराली क्षेत्र में आपदा प्रभावित लोगों को त्वरित राहत उपलब्ध कराई गई है। प्रभावित परिवारों को राशन, कपड़े और आवश्यक सामग्री प्रदान की गई है। मकान, ज़मीन, खेती और अन्य नुकसान के मुआवजे का आकलन शुरू हो चुका है और अगले दो से तीन दिनों में मुआवज़े का वितरण भी शुरू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता घाटी में फंसे हुए सभी लोगों को सुरक्षित निकालना थी, जिसे लगभग पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही घर, खेत–खलिहान, कृषि और अन्य नुकसान का विस्तृत सर्वे जारी है, ताकि शेष मुआवज़ा शीघ्र उपलब्ध कराया जा सके। प्रभावित परिवारों के लिए कम्युनिटी किचन के माध्यम से भोजन, राशन, आपातकालीन लाइट, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री लगातार पहुंचाई जा रही है। गांव में बिजली और नेटवर्क की व्यवस्था बहाल कर दी गई है और सड़क को भी शीघ्र आवागमन के लिए सुचारू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के स्तर से प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद की जा रही है। उन्होंने बताया प्रभावित परिवारों को अगले 6 महीने का राशन, राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा।

सरकार महत्वपूर्ण कदम

प्रदेश सरकार ने उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में आपदा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और राहत के लिए दो महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की है कि जिन लोगों के मकान आपदा में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके पुनर्वार्स–विस्थापन के लिए पांच लाख रुपए की तत्काल सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, आपदा में मृतकों के परिजनों को भी पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित ग्राम वासियों के पुनर्वास, समग्र पुनरुद्धार और स्थायी आजीविका के सुदृढ़ीकरण के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा भी की है। राजस्व सचिव की अध्यक्षता

में गठित यह समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी प्राथमिक रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगी। समिति धराली गांव के भविष्य के लिए दीर्घकालिक और प्रभावी नीति का खाका तैयार करेगी, जिससे स्थानीय समुदाय की सुरक्षा और आजीविका सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार हर आपदा प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

रक्षाबंधन

भाई–बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार आज प्रदेशभर में पारम्परिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने भी अपनी बहनों की जीवनभर रक्षा करने का वचन दिया।

बागेश्वर जिले की रेडक्रॉस सोसायटी ने ग्वालदम स्थित एसएसबी कैंप में जवानों के साथ रक्षा बंधन मनाया। बहनों ने जवानों की कलाई पर राखी बांधकर भाईचारे और सुरक्षा के इस रिश्ते को और मजबूत किया। एसएसबी के उप महानिदेशक डी.एन भोम्बे ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी न केवल आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता में अग्रणी है, बल्कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सशक्त करती है।

रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष इंद्र सिंह फर्स्वाण ने कहा कि हर साल की तरह सोसायटी के सदस्यों ने इस बार भी रक्षा बंधन का त्यौहार एसएसबी जवानों के साथ मनाया।

बग्वाल मेला

चंपावत जिले के मां बाराही धाम देवीधुरा में आज बग्वाल खेली गई। मंदिर परिसर के खोली खाड़ दुबाचौड़ मैदान में चार खाम–सात तोक के बीच फल और फूलों से खेली गई बग्वाल में लगभग 150 से अधिक लोगों को मामूली चोटें आई। जिनका मंदिर परिसर में बने चिकित्सा शिविरों में उपचार किया गया। बग्वाल देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। दोपहर बाद चार खाम– लमगड़िया, वालिक, गहड़वाल और चम्याल के साथ, सात तोक के बग्वाली वीरों के जत्थों ने माता के जयकारों के साथ मंदिर परिक्रमा के बाद पुजारी के आह्वान पर दोनों पक्षों के बीच लगभग 8 मिनट तक बग्वाल खेली। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क और परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि बग्वाल हमारी पुरातन परम्परा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मन्दिर के विस्तारीकरण के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं।

अगस्त क्रांति अल्मोड़ा

अल्मोड़ा के ऐतिहासिक कारागार के नेहरू वार्ड में आज भारत छोड़ो आंदोलन अगस्त क्रान्ति की 83वीं वर्षगांठ धूम धाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला कारागार प्रशासन द्वारा पंडित नेहरू वार्ड में कार्यक्रम आयोजित किए गए। अल्मोड़ा के ऐतिहासिक जेल में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, भारत रत्न गोविंद बल्लभ पंत, हरगोविंद पंत, खान अब्दुल गफ्फार खान, विक्टर मोहन जोशी और बद्रीदत्त पाण्डे सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आजादी के आंदोलन के दौरान बंद रहे। वर्तमान में नेहरू वार्ड में संग्रहालय बनाया गया है, जिसमें पंडित नेहरू की कुर्सी, चारपाई, रसोई, वर्तन, और उपकरण संरक्षित किए गए हैं। अल्मोड़ा के कारागार में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू आजादी के आंदोलन के दौरान दो बार बंद रहे, इसलिए उनकी याद में नेहरू वार्ड बनाया गया है। उन्होंने यहां रहते हुए डिस्कवरी ऑफ इंडिया के कुछ पन्ने लिखे। जिला कारागार अधीक्षक जयंत पांगती ने बताया कि अल्मोड़ा के जेल में आजादी के आंदोलन के दौरान पंडित जवाहर नेहरू सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इस कारागार में रहे। इसलिए यहां प्रतिवर्ष अगस्त क्रान्ति दिवस मनाया जाता है।

क्विज प्रतियोगिता

आज़ादी का अमृत महोत्सव और उन्यासीवें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आकाशवाणी समाचार देहरादून ने एक क्विज प्रतियोगिता शुरू की है। सबसे पहले सही उत्तर देने वाले श्रोता का नाम अगले दिन के समाचार बुलेटिन में घोषित किया जाएगा। हमारा कल का प्रश्न था– भारत का राष्ट्रीय ध्वज क्या है?

सही उत्तर है– तिरंगा

हमारी कल की विजेता हैं– नैनीताल जिले के हल्द्वानी पीलीकोठी से गितांशी पाठक

आज का प्रश्न है– स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे?

प्रश्न एक बार फिर सुन लें– स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे?

श्रोता अपने प्रश्न का उत्तर आकाशवाणी की ईमेल आईडी– rnudehradun@gmail.com या व्हाट्सएप नंबर –

97 60 26 80 51 पर भेज सकते हैं।